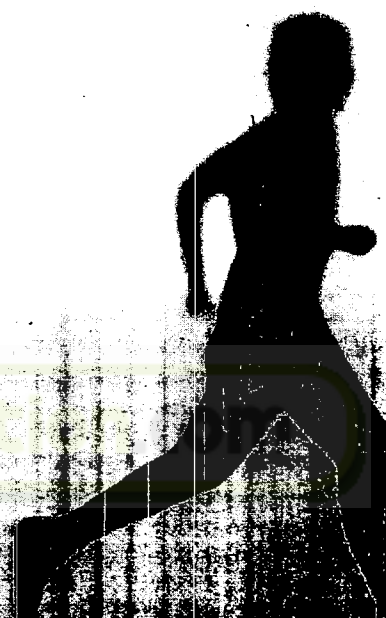


MD	✓		BKC	✓
CS	NK		DPY	✓
RC	✓		DIV	✓
TRA	✓		AC	✓
AGM	✓	✓	SHI	✓
YE	✓	✓		✓

Annual
Report
1996-97

Report



**ORIENTAL BANK
OF COMMERCE**

Where every individual is committed



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स



ORIENTAL BANK OF COMMERCE



अध्यक्ष की कलम से

प्रिय शेयरधारी,

मैंने, श्री एस. के. सोनी के 31 अक्टूबर 1996 को बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के रूप में कार्यालय छोड़ने के बाद, 1 नवम्बर, 1996 से ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक का कार्यभार सम्भाला। मेरे लिए यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि मैं वर्ष 1996-97 के लिए बैंक के अंतिम लेखे और कार्य-परिणाम आपके समक्ष रख रहा हूँ। जैसाकि आप इन परिणामों से देखेंगे कि वर्ष 1996-97 के दौरान ओ. बी. सी. ने कुल मिलाकर अच्छी प्रगति की है। इस वर्ष बैंक ने अपनी जमा राशियाँ 10,000 करोड़ रुपये से अधिक करके नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 31 मार्च, 1997 को यह राशि 10054.06 करोड़ रुपये रही। भारतीय रिज़र्व बैंक की पाक्षिकी के अनुसार बैंक की सार्वजनिक जमा राशियों में 1397.69 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई जिससे 16.9% की वृद्धि हुई जो बैंकिंग उद्योग की 16.1% की वृद्धि से अधिक है।

मार्च, 1997 के अंत में बैंक के कुल ऋण 4886.42 करोड़ रुपये रहे जबकि मार्च, 1996 में ये 4671.78 करोड़ रुपये थे। प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम मार्च, 1997 में लगभग 2054.74 करोड़ रुपये रहे, जो निवल ऋण के 40% के निर्धारित प्रतिमान के मुकाबले 42.02% है। मार्च, 1997 में कृषि क्षेत्र को दिए गए कुल ऋण लगभग 891.64 करोड़ रुपये थे जो 18% के निर्धारित प्रतिमान के प्रति 18.24% रहे। बैंक ने अपने शाखा तंत्र में 54 और शाखाएं बढ़ाई जिससे मार्च, 1997 के अंत में शाखाओं की कुल संख्या बढ़कर 755 हो गई।

FROM THE CHAIRMAN

Dear Shareholders,

I assumed the office of the Chairman & Managing Director of the Oriental Bank of Commerce with effect from 1st November, 1996 after Shri S.K. Soni relinquished the office as CMD of the Bank on 31st October, 1996. It is indeed my privilege to place before you Bank's Final Accounts and Working Results for the Year 1996-97. As you would observe from the results, during 1996-97, OBC has shown overall impressive progress. During the year, the Bank achieved the distinct mark to cross the deposits of Rs. 10,000 crore. The figure as on 31st March, 1997 stood at Rs. 10,054.06 crore. The public deposits of the Bank as per RBI fortnightly registered an increase of Rs. 1397.69 crore reflecting a growth of 16.9% which is higher than the banking industry growth of 16.1%.

The total credit of the Bank as at the end of March 1997 stood at Rs. 4886.42 crore as against Rs. 4671.78 crore in March 1996. The priority sector advances amounted to Rs. 2054.74 crore in March 1997 forming 42.02% of the net credit against the stipulated norm of 40%. The total lending to agriculture in March 1997 was of the order of Rs. 891.64 crore constituting 18.24% against the prescribed norm of 18%. The bank expanded its branch network by 54 branches to take total number of branches to 755 as at the end of March 1997.



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स



ORIENTAL BANK OF COMMERCE

बैंक के निवल लाभ वर्ष 1995-96 के दौरान 172.75 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 1996-97 में 180.25 करोड़ रुपए हो गए। बेहतर निधि प्रबंधन के कारण अग्रिमों पर औसत आय वर्ष 1996-97 में लगभग 14.9% हुई जबकि पिछले वर्ष यह 14.3% थी। निवेशों पर आय भी 12.1% से बढ़कर 12.6% हो गई और औसत कार्यशील पूंजी निधियों पर अर्जित व्याज 11.2% से बढ़कर 11.7% हो गया। प्रति शेयर अर्जन (ई. पी. एस.) मार्च, 1996 के 8.9 से बढ़कर मार्च, 1997 में 9.36 हो गया तथा उक्त अवधि के दौरान अंकित मूल्य भी 42.81 रुपए से बढ़कर 48.89 रुपए हो गया। सकल लाभप्रदता स्थिति तथा अन्य संगत कारकों को देखते हुए, निदेशक मण्डल ने 25% की दर से लाभांश घोषित करने का निर्णय किया है। इसकी राशि लगभग 48.13 करोड़ रुपए होगी जो सार्वजनिक निर्गम के समय प्रस्ताव प्रलेख में परिकल्पित 20% से अधिक है।

पूंजी पर्याप्तता के मामले में बैंक की स्थिति अच्छी है तथा जोखिम वाली आस्तियों में पूंजी का अनुपात मार्च, 1997 के अंत में 17.53% रहा जो सम्भवतः बैंकिंग उद्योग में सबसे अधिक है। इसी प्रकार, बैंक की प्रति कर्मचारी उत्पादकता 110 लाख रुपए रही, जो सर्वोत्तम में से एक है।

बैंक द्वारा की गई इस सर्वांगीण असाधारण प्रगति का श्रेय, बैंक के प्रत्येक कर्मचारी की उच्च कोटि की समर्पण भावना व उसके द्वारा दर्शायी गयी वचनबद्धता तथा इस संस्था में व्याप्त उच्च स्तर की सौहार्दता व मैत्रीभाव को जाता है। इससे ग्राहकों को उत्तम सेवा प्रदान करने में भी सहायता मिली है तथा इससे ग्राहक ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स को अपना बैंक मानने लगे हैं। आगामी वर्षों में बैंक सभी क्षेत्रों में और अधिक प्रगति करने हेतु हर सम्भव प्रयास करेगा।

केन्द्रीय बजट और मुद्रा व ऋण नीति में घोषित विभिन्न उपायों के परिप्रेक्ष्य में वर्ष 1997-98 को अत्यधिक आशा से देखा गया है। मेरा विश्वास है कि आपके सहयोग व सम्मानित संरक्षण के साथ ओ. बी. सी. और अधिक ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

आपका,

(दलबीर सिंह)

The net profit of the Bank increased from Rs. 172.75 crore during 1995-96 to Rs. 180.25 crore in 1996-97. Due to better funds management, the average yield on advance touched 14.9% in 1996-97 in comparison to 14.3% last year. The yield on investments also went up from 12.1% to 12.6% and interest earned to average working funds touched 11.7% from 11.2%. The Earning Per Share which was 8.9 in March 1996 increased to 9.36 in March 1997 and Book Value also went up from Rs. 42.81 to Rs. 48.89 during the aforesaid period. Looking to the overall profitability position and all other relevant factors, the Board of Directors have decided to declare a dividend @ 25% amounting to Rs. 48.13 crore which is higher than 20% envisaged in the Offer Document at the time of public issue.

The Bank is very well placed in the matter of Capital Adequacy and the ratio of capital to risk weighted assets stood at 17.53% as at the end of March 1997 which perhaps is the highest in the banking industry. Similarly, Bank's productivity per employee at Rs. 110 lac is one of the highest.

The around significant progress made by the Bank is attributed to high level of dedication and commitment exhibited by each and every employee of the Bank and the level of high cordiality and cohesiveness prevailing in the Organisation. This has also been instrumental in rendering excellent service to the customers and in turn customers prefer adoption of Oriental Bank of Commerce as their Bank. The Bank will do everything possible to further excel in all the areas in coming years.

The year 1997-98 is viewed with great optimism in the wake of various measures announced in the Union Budget and the Monetary and Credit Policy. I am sure, with your kind co-operation and esteemed patronage, OBC will achieve still greater heights.

Yours sincerely,

(DALBIR SINGH)



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

ORIENTAL BANK OF COMMERCE

उल्लेखनीय तथ्य ओरियन्टल बैंक ऑफ कामर्स		HIGHLIGHTS ORIENTAL BANK OF COMMERCE				
		राशि (लाख रुपए में) Amount (Rs. in lacs)				
वर्ष FOR THE YEAR		1992-93	1993-94	1994-95	1995-96	1996-97
कुल आय Total Income		53725	64779	87204	112676	135493
कुल व्यय Total Expenditure		51675	61568	75868	95401	117468
निवल लाभ Net Profit		2050	3211	11336	17275	18025
के अंत में AT THE END OF		मार्च March 1993	मार्च March 1994	मार्च March 1995	मार्च March 1996	मार्च March 1997
पूंजी एवं प्रारक्षित निधि Capital and Reserve		16400	24460	70948	82409	94139
जमा राशियां Deposits		427672	523906	667346	871088	1005406
अग्रिम Advances		221921	256703	352888	467178	488642
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र Priority Sector		94307	112532	145116	181133	205474
जिसमें से of which :						
i) कृषि Agriculture		41886	49325	67633	82645	96843
ii) लघु उद्योग Small Scale Industries		35872	48200	61005	80661	85208
iii) अन्य Others		16549	15007	16478	17827	19586
निर्यात वित्त Export Finance		20097	37088	45004	59056	52790
कुल आस्तियां/देयताएं Total Assets/Liabilities		474292	599480	823699	1052404	1155899
शाखाओं की संख्या No. of Branches		553	583	618	701	755
कर्मचारियों की संख्या No. of Employees		11364	11890	12367	13128	13580



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स



ORIENTAL BANK OF COMMERCE

सूचना

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

प्रधान कार्यालय : हर्ष भवन

ई-ब्लॉक, कनॉट प्लेस,

नई दिल्ली - 110001

18 जून, 1997

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स के शेयरधारियों की तृतीय वार्षिक आम बैठक सोमवार, 4 अगस्त, 1997 को सुबह 11-00 बजे सिरी फोर्ट कल्चरल कॉम्प्लेक्स ऑडिटोरियम, एशियन गेम्स विलेज, नई दिल्ली- 110049 में होगी जिसमें निम्नलिखित कार्य किया जायेगा:

" 31 मार्च, 1997 तक तैयार किए गए बैंक के तुलन-पत्र और लाभ एवं हानि खाते, लेखों में ली गई अवधि हेतु बैंक के कार्यकलापों और गतिविधियों पर निदेशक मण्डल की रिपोर्ट एवं तुलन-पत्र व लेखों पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा। "

दलबीर सिंह

(दलबीर सिंह)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

NOTICE

ORIENTAL BANK OF COMMERCE

Head Office : Harsha Bhawan

E-Block, Connaught Place

New Delhi- 110001

18th June, 1997

The Third Annual General Meeting of the shareholders of Oriental Bank of Commerce will be held at Auditorium of the Siri Fort Cultural Complex, Asian Games Village, New Delhi- 110049, on Monday, 4th August 1997 at 11.00 A.M. to transact the following business :

"To discuss the balance sheet and profit & loss account of the Bank made up to the 31st March, 1997, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditors' Report on the balance sheet and accounts".

(DALBIR SINGH)

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स



ORIENTAL BANK OF COMMERCE

टिप्पणियां

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति

इस बैठक में भाग लेने और मत देने का हकदार शेयरधारी, उसके स्थान पर बैठक में भाग लेने और मत देने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त कर सकता है। ऐसे प्रॉक्सी को प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है कि इसकी सूचना बैंक को बैठक के समय से कम से कम 48 घंटे पूर्व अवश्य प्राप्त हो जाए।

2. शेयरधारियों के रजिस्टर बन्द करना

शेयरधारियों के रजिस्टर तथा बैंक की शेयर हस्तांतरण पुस्तकें 17 जून, 1997 से 30 जून 1997 (दोनों दिन सहित) तक बन्द रहेंगी।

3. लाभांश का भुगतान

निदेशक मण्डल द्वारा घोषित लाभांश का भुगतान 1 सितम्बर, 1997 को उन सभी सदस्यों को किया जायेगा जिनके नाम बैंक के सदस्य-रजिस्टर में 30 जून, 1997 को दर्ज हो जायेंगे।

4. पते में परिवर्तन

शेयरधारियों से अनुरोध है कि उनके पंजीकृत पते में यदि कोई परिवर्तन हो तो उसकी सूचना रजिस्ट्रार और शेयर हस्तान्तरण एजेंट, एस. आर. जी. इन्फोटेक (इण्डिया) लिमिटेड, 118-ए, जमरुदपुर, लेडी श्रीराम कॉलेज के सामने, कैलाश कालोनी एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110048 को दें।

5. उपस्थिति पर्ची

शेयरधारियों की सुविधा हेतु, उपस्थिति पर्ची के साथ प्रॉक्सी फार्म लगा हुआ है। शेयरधारियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति पर्ची को भरें और उसमें दिए गए स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें तथा इसे बैठक के स्थान पर प्रवेश के समय दें। किसी शेयरधारी के प्रॉक्सी/प्रतिनिधि को उपस्थिति पर्ची पर यथास्थिति, 'प्रॉक्सी' या 'प्रतिनिधि' शब्द लिखना चाहिए।

NOTES

1. APPOINTMENT OF PROXY

The Shareholder entitled to attend and vote at the meeting is entitled to appoint a proxy to attend and vote instead of himself and such proxy need not be a shareholder of the Bank. The proxy, in order to be effective, must be received by the Bank not later than 48 hours before the meeting.

2. CLOSURE OF REGISTER OF SHAREHOLDERS

The Register of shareholders and the Share Transfer Books of the Bank will remain closed from 17th June 1997 to 30th June 1997 (both days inclusive).

3. PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend as declared by the Board of Directors, shall be made on 1st September, 1997 to those Members whose names appear on the Bank's Register of Members on 30th June 1997.

4. CHANGE OF ADDRESS

The shareholders are requested to intimate the change, if any, in their registered address, to the Registrars and Share Transfer Agents, SRG Infotech (India) Limited, 118-A, Zamrudpur, Opposite Lady Shriram College, Kailash Colony Extension, New Delhi-110048.

5. ATTENDANCE SLIP:

For the convenience of the shareholders, Attendance Slip is annexed to the Proxy Form. The Shareholders are requested to fill in and affix their signatures at the space provided therein and hand over the Attendance Slip at the entrance of the place of Meeting. Proxy/Representative of a shareholder should mark on the attendance Slip as 'Proxy' or 'Representative' as the case may be.



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स



ORIENTAL BANK OF COMMERCE

6. लाभांश वारंट में बैंक खाते का विवरण

जालसाजी अथवा धोखाधड़ी की किसी भी सम्भावना को दूर करने की दृष्टि से, शेयरधारियों से अनुरोध है कि वे अपना बैंक खाता संख्या (चालू/बचत), बैंक का नाम और शाखा का नाम दें जिसमें उनका लाभांश वारंट भुगतान हेतु जमा किया जाए। ये विवरण लाभांश वारंट के चेक वाले हिस्से पर मुद्रित होंगे। ये विवरण एकल धारक अथवा संयुक्त धारकों के मामले में प्रथम शेयरधारक द्वारा रजिस्ट्रार और शेयर हस्तान्तरण एजेंट को दिए जायेंगे।

6. DETAILS OF BANK ACCOUNT IN DIVIDEND WARRANT

With a view to eliminating any possibility of forgery or fraud, the shareholders are requested to furnish their bank account number (Current / Savings), the name of the bank and branch where they would like to deposit their Dividend warrant for encashment. These particulars will be printed on the cheque portion of the Dividend Warrant. This should be furnished by the sole holder or the first named shareholder in case of joint holding to the Registrars and Share Transfer Agents.

7. पृष्ठों का समेकन

वे शेयरधारक, जिनके शेयर एक से अधिक खातों में एक ही नाम से हैं, उनसे अनुरोध है कि वे रजिस्ट्रार और शेयर हस्तान्तरण एजेंट को ऐसे खाते का लेजरफोलियो और शेयर प्रमाण-पत्र की सूचना दें ताकि बैंक सभी शेयरों को खाते में समेकित कर सकें। ये शेयर प्रमाणपत्र बाद में आवश्यक पृष्ठांकन करने के बाद सदस्यों को लौटा दिए जायेंगे।

7. CONSOLIDATION OF FOLIOS

The shareholders who are holding shares in identical order of names in more than one account are requested to intimate to the Registrars and Share Transfer Agents the ledger folio of such account together with the share certificates to enable the Bank to consolidate all the holdings into one account. The share certificate will be returned to the members after making the necessary endorsement in due course.

सदस्यों से अनुरोध

मितव्ययिता की दृष्टि से वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां वार्षिक आम बैठक में वितरित नहीं की जायेंगी। सदस्यों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रतियां मीटिंग में ले कर आएँ।

REQUEST TO THE MEMBERS

As a measure of economy, copies of Annual Report will not be distributed at the Annual General Meeting. Members are requested to bring their copies of the Annual Report to the Meeting.



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स



ORIENTAL BANK OF COMMERCE

निदेशक मंडल

दलबीर सिंह
(अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक)

BOARD OF DIRECTORS

DALBIR SINGH
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

निदेशक

DIRECTORS

श्रीमती पी. मोहन

SMT. P. MOHAN

श्री एम.एम.एस.रेखराव

SHRI M. M. S. REKHRAO

श्री अबु हसेम खान चौधरी

SHRI ABU HASEM KHAN CHOUDHARY

श्री अजय कुमार दोशी

SHRI AJAY KUMAR DOSHI

श्री बी. कमलाकर राव

SHRI B. KAMALAKER RAO

कुमारी राना खातून

MS. RANA KHATOON

श्री एस. एम. बर्मन

SHRI S. M. BURMAN

डा. सतवन्त सिंह मोही

DR. SATWANT SINGH MOHI

श्री यू. के. मुखर्जी

SHRI U. K. MUKHERJEE

श्री शलभ शर्मा

SHRI SHALABH SHARMA



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स



ORIENTAL BANK OF COMMERCE

निदेशकों की रिपोर्ट

निदेशक मण्डल 31 मार्च, 1997 को समाप्त वर्ष हेतु लेखा परीक्षित तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखा सहित, बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है।

आर्थिक स्थिति

कृषि क्षेत्र में वर्ष 1995-96 में 0.4 प्रतिशत की गिरावट के बाद वर्ष 1996-97 के दौरान लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि दर इन्दराज की गई। औद्योगिक उत्पादन धीमा रहा और अप्रैल-फरवरी, 1996-97 के दौरान लगभग 7% की वृद्धि दर दर्ज की गई जो वर्ष 1995-96 की इसी अवधि में 11.8% थी। थोक मूल्य सूचकांक में परिवर्तन होने के कारण मुद्रा-स्फीति की दर 7.3% प्रतिशत रही तथा देश की विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि मार्च, 1997 के अन्त में 22.4 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुँच गई जिससे इसमें पिछले वर्ष की निधि से 5.4 बिलियन अमरीकी डालर की बढ़ोतरी हुई। वर्ष 1996-97 के दौरान, भुगतान संतुलन के आंकड़े बाह्य क्षेत्र की सुदृढ़ता एवं स्थिरता दर्शाते रहे। वर्ष 1996-97 के दौरान सकल आर्थिक वृद्धि दर (जी०डी०पी०) बढ़कर 6.8% तक हो जाने की सम्भावना है। 28 फरवरी, 1997 को घोषित केन्द्रीय बजट 1997-98 अर्थव्यवस्था की दृष्टि से काफी अच्छा है और इससे विकास प्रक्रिया विशेषकर ग्रामीण, मूलभूत सुविधाएँ, औद्योगिक, रोजगार सृजन और निर्यात जैसे क्षेत्रों में विकास प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिलने की आशा है।

मौद्रिक नीति

भारतीय रिज़र्व बैंक की वर्ष 1996-97 की मौद्रिक एवं ऋण नीति, मूल्य स्थिरता के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के उत्पादनपरक क्षेत्रों की वास्तविक एवं विधिसम्मत ऋण आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के दोहरे उद्देश्य को सामने रख कर तैयार की गई थी। वर्ष 1996-97 में स्थूल मुद्रा (एम३) की वृद्धि दर 15.6 प्रतिशत थी जो नीति में परिकल्पित 15.5 - 16 प्रतिशत के दायरे में ही थी। बैंकों द्वारा उनकी कुल निवल मांग व मीयादी देयताओं के प्रति रखे जाने

DIRECTORS' REPORT

The Board of Directors have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 1997.

ECONOMIC SCENE

During 1996-97 the agricultural sector showed a growth rate of about 3 per cent after a fall of 0.4 per cent in 1995-96. The industrial production was slow and recorded a growth rate of around 7% during the period April-February, 1996-97 as against 11.8% in the similar period of 1995-96. The inflation rate as measured by the change in the Wholesale Price Index was 7.3 per cent and country's foreign exchange reserves rose to US\$ 22.4 billion at the end of March 1997 representing an increase of US\$ 5.4 billion over the previous year. The balance of payments developments during 1996-97 continued to reflect signs of strength and sustainability of the external sector. The overall economic growth rate (GDP) during 1996-97 is expected to have grown by 6.8%. The Union Budget 1997-98 announced on 28th February, 1997 augurs well for the economy and is expected to further push up growth process particularly in areas like rural, infrastructure, industrial, employment generation and exports.

MONETARY POLICY

The RBI's Monetary and Credit Policy for 1996-97 was formulated with the twin objectives of price stability while at the same time ensuring genuine and legitimate credit requirements of the productive sectors of the economy. The growth rate of Broad Money (M3) in 1996-97 was 15.6 per cent which was within the band of 15.5-16 per cent envisaged in the policy. There was a significant reduction in the CRR required to be



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स



ORIENTAL BANK OF COMMERCE

हेतु अपेक्षित नकदी प्रारक्षित अनुपात (सी आर आर) में भारी कमी हुई। नकदी प्रारक्षित अनुपात विभिन्न चरणों में 14 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया - 27 अप्रैल, 1996 से 13.5%, 11 मई, 1996 से 13%, 6 जुलाई, 1996 से 12%, 26 अक्टूबर, 1996 से 11% और 9 नवम्बर, 1996 से 10%। नकदी प्रारक्षित निधि में इन सभी कटौतियों से अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के ऋणदायी संसाधनों में 17,850 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई।

ब्याज दर निर्विनियमन में कुछ संशोधन किया गया। 2 जुलाई, 1996 से मीयादी जमा की न्यूनतम अवधि को 46 दिन से कम करके 30 दिन कर दिया गया और 30 दिन और एक वर्ष तक की मीयादी जमा राशियों पर अधिकतम ब्याज दर घटाकर 11 प्रतिशत कर दी गई तथा इसे 21 अक्टूबर, 1996 से फिर घटाकर 10% कर दिया गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बैंकों को निर्देश दिए कि वे ऋण देने सम्बन्धी दरों में समुचित कमी करके उधारकर्ताओं को लाभ पहुंचाएं तथा ऋण देने की आधारभूत दर (पी एल आर) पर अधिकतम स्प्रेड की घोषणा करें। बैंकों से कहा गया कि वे वर्ष 1996-97 से, 25,000/- रुपए से कम के लघु ऋणों की आस्तियों की चार विशिष्ट श्रेणियों में वर्गीकृत करें तथा उपयुक्त प्रावधान करें। जो बैंक बड़ी संख्या में खाते होने के कारण ऐसा कर सकने में असमर्थ रहे, उन्हें मार्च, 1998 तक का समय दिया गया परन्तु 31 मार्च, 1997 को समाप्त वर्ष के लिए उन्हें अग्रिमों की इस श्रेणी में बकाया पड़ी कुल राशि के 15 प्रतिशत का प्रावधान करना होगा जबकि 31 मार्च, 1996 को समाप्त वर्ष के दौरान ऐसी श्रेणी के लिए 10 प्रतिशत का प्रावधान अपेक्षित था। अनुमोदित प्रतिभूतियों का न्यूनतम "बाजार - चिन्हित" समानुपात भी 31 मार्च, 1996 को समाप्त वर्ष हेतु 40 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया। बैंक साख की ऋण प्रणाली में प्रगति होती रही। 20 करोड़ रुपए और अधिक राशि के अधिकतम अनुमत्य बैंक वित्त (एम० पी० बी० एफ०) वाले उधारकर्ताओं हेतु ऋण घटक को अप्रैल 1996 में 60% तक और अक्टूबर 1996 में 75% तक बढ़ा दिया गया। ऋण सुपुर्दगी की पद्धति का विस्तार 10 करोड़ रु० से अधिक और 20 करोड़ रु० तक के अधिकतम अनुमत्य बैंक वित्त (एम० पी० बी० एफ०) वाले उधारकर्ताओं के लिए भी कर दिया गया तथा ऋण घटक अप्रैल, 1996 में 40 प्रतिशत पर निश्चित किया गया था, जो अक्टूबर, 1996 में बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया। ऋण की न्यूनतम अवधि को एक वर्ष से घटाकर 6 माह कर दिया गया।

maintained by the banks against their total net demand and time liabilities. The CRR was reduced from 14 per cent to 10 per cent in different phases- 13.5% with effect from April 27, 1996, 13% with effect from May 11, 1996, 12% effective July 6, 1996, 11% effective October 26, 1996 and 10% effective November 9, 1996. All these reductions in CRR augmented the lendable resources of Scheduled commercial banks by Rs. 17,850 crores.

Some correction was made in interest rate deregulation. With effect from July 2, 1996, the minimum period of time deposits was reduced from 46 days to 30 days and maximum interest rate on time deposits of 30 days and upto one year was reduced to 11 per cent which was further reduced to 10% with effect from October 21, 1996. RBI also directed banks to pass on the gains to the borrowers by appropriate reduction in the lending rates and to announce the maximum spread over Prime Lending Rate (PLR). From 1996-97, banks were asked to classify small loans below Rs. 25,000/- into the specified four asset categories and make appropriate provisioning. Banks which were not able to do so in view of the large number of accounts involved, were granted extension of time upto end March 1998 but were to provide 15 per cent of the aggregate amount outstanding in this category of advances for the year ended March 31, 1997 as against 10 per cent provision required for such category during the year ended March 31, 1996. The minimum "mark to market" proportion of the approved securities was also raised to 50 per cent from 40 per cent for the year ended 31st March, 1996. The progress towards loan system of bank credit continued. For borrowers with Maximum Permissible Bank Finance (MPBF) of Rs. 20 crores and above, the loan component was increased to 60 per cent in April 1996 and further to 75 per cent in October 1996. The loan system of credit delivery was extended to borrowers with MPBF of over Rs. 10 crore and upto Rs. 20 crore and the loan component was fixed at 40 per cent in April 1996 which was raised to 60 per cent in October 1996. The minimum period of the loan was reduced to six months from one year.